

## बिहार में धान के नई कस्मि सबौर कुंवर की खोज

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर) के वैज्ञानिकों ने धान की नई कस्मि सबौर कुंवर की खोज की है।

### प्रमुख बढि

- कम पानी, 25 प्रतिशत तक कम खाद और 110 से 115 दिनों में तैयार होने वाली धान की इस नई कस्मि की खोज अनियमति और कम बारिश से परेशान धान उत्पादक किसानों के लिये लाभकारी है।
- धान की इस कस्मि का औसत उत्पादन 55 से 60 क्वटिल प्रति हेक्टेयर है, जबकि अधिकतम उत्पादन 87 क्वटिल तक है।
- इसमें पौधे की लंबाई 100 से 105 सेंटीमीटर तक होती है। यह कस्मि जीवाणु झुलसा, अंगमारी, झोंका एवं कंडुआ रोग प्रतिरोधी है। तना छेदक, भूरा कीट और पत्तीलपेटक के प्रति सहनशील है।
- इससे बिहार के मध्य और दक्षिण बिहार के जिलों बक्सर, रोहतास, भोजपुर, औरंगाबाद, लखीसराय, बेगूसराय, समस्तीपुर, भागलपुर, बांका आदि के किसानों को विशेष फायदा होगा।